ITI LIMITED
(A Government of India Undertaking)

प्रेस विज्ञप्ति

आईटीआई लिमिटेड ने डेटा सेंटर का किया विस्तार, ''डिजिटल इंडिया'' प्रयास की दिशा में बढ़ाया एक बड़ा कदम

- अपने बेंगलुरू संयंत्र में 1000 अतिरिक्त रैक्स जोड़े
- नैनी संयंत्र में 200 रैक्स का एक नया डेटा सेंटर स्थापित किया
- यह भारतीय कारोबारों की ओर से लगातार तेजी से बढ़ती मांग को पूरा करेगा और स्थापित बुनियादी ढांचे के लिए सुरक्षित एवं संरक्षित ढांचा हासिल करने में ग्राहकों की मदद करने के लिए नई पीढ़ी की सुविधाओं और सेवाओं के फायदों की पेशकश करेगा

बेंगलुरू, 30 मई, 2018: देश में आजादी के बाद बनी पहली सार्वजनिक क्षेत्र की और प्रीमियर टेलीकॉम विनिर्माण कंपनी आईटीआई लिमिटेड ने आज बेंगलुरू में मौजूदा संयंत्र में 1,000 अतिरिक्त रैक्स जोड़कर अपने डेटा सेंटर संयंत्र के विस्तार और अपने नैनी (इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश) संयंत्र में 200 रैक्स क्षमता वाले एक नए डेटा सेंटर की स्थापना करने की घोषणा की। यह घोषणा सरकार द्वारा क्लाउड कंप्यूटिंग प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल कर सरकारी विभागों द्वारा आईटी बुनियादी ढांचा स्थापित करने के दिशा निर्देशों के बाद की गई है जिसमें एक प्रावधान यह भी है कि सारा डेटा देश के भीतर ही स्टोर किया जाना चाहिए। नया बुनियादी ढांचा सार्वजनिक क्षेत्रों के बैंकों, केंद्र एवं राज्य सरकारों की इकाइयों, बहुराष्ट्रीय कंपनियों, कॉरपोरेट और बड़ी कंपनियों को अपना डेटा देश के भीतर सुरक्षित रखने में मदद मिलेगी।

आईटीआई लिमिटेड द्वारा संयंत्रों के इस विस्तार से सरकारी और कॉरपोरेट क्षेत्र में कंपनियों को अपने ग्राहकों और एंड–यूजर्स की बेहतर सेवा करने का अवसर मिलेगा, इसके साथ ही वे निजी कंपनियों से मुकाबला करने में सक्षम होंगे। हाई–स्पीड नेटवर्क्स और अन्य सेवाओं के नजदीकी के साथ कंपनियां देरी को कम कर पाएंगी, प्रदर्शन में सुधार कर सकती हैं और ग्राहक संतुष्टि को बढ़ा सकते हैं और बुनियादी ढांचे के लिए मालिकाना हक की कुल लागत को कम कर सकती हैं। आईटीआई डेटा सेंटर बुनियादी ढांचे की संपूर्ण सेवाएं और उच्चतम शक्ति के साथ प्रबंधित सेवाएं मुहैया कराती है जो एक महत्वपूर्ण परिवर्तनकारी कारक के तौर पर अपने मौजूदा

ग्राहकों को कम प्रसार में अधिक कंप्यूट बुनियादी ढांचे की सेवाएं मुहैया कराती है जिससे परिचालन खर्च काफी हद तक कम हो जाता है।

इस मौके पर श्री एस. गोपू, चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक, आईटीआई लिमिटेड ने कहा, ''आईटीआई पिछले 10 वर्षों से डेटा सेंटर के कारोबार में है जिसके सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों, वित्तीय संस्थानों, पीएसयू, कॉरपोरेट और अन्य सरकारी एजेंसियों जैसे जाने–माने ग्राहक हैं। आईटीआई अपनी डेटा सेंटर सेवाओं का विस्तार कर रही है और बेंगलुरू में 100 रैक्स स्पेस के साथ नया डेटा सेंटर और नैनी में 200 रैक्स स्पेस आईटीआई की महत्वाकांक्षी विस्तार योजना है जो अब फलीभूत हो रही है। आईटीआई डेटा सेंटर अधिक क्षमता के साथ यह भारत में सबसे बड़ा पीएसयू डेटा सेंटर्स में से एक बन जाएगा। हमें यह जानकर बेहद खुशी हुई है कि कई संगठनों ने अभी से ही अपने डेटा को आईटीआई लिमिटेड के पास सुरक्षित रखने में दिलचस्पी दिखाई है। डेटा सेंटर का यह विस्तार भारत सरकार के डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया और स्मार्ट सिटी जैसे प्रमुख प्रयासों के प्रति आईटीआई की गहन प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।''

साइट को विभिन्न प्रकार की पेशकशें मुहैया कराने के लिए डिजाइन किया गया है जिनमें ''मैनेज्ड को–लोकेशन सर्विस'', ''मैनेज्ड डेडीकेटेड सर्विस'' और ''क्लाउड सर्विसेज'' शामिल हैं। एक ''मैनेज्ड को–लोकेशन सर्विस'' में कंपनी अत्यधिक उपलब्ध, भरोसेमंद और सुरक्षित भौतिक बुनियादी ढांचाके साथ टियर–3+ डेटा सेंटर सुविधाएं मुहैया कराती है जिनमें बिजली, आवश्यक कूलिंग, बेहतरीन फायर डिटेक्शन एवं सप्रेशन प्रणालियां एवं पर्यावरण नियंत्रण शामिल हैं। ''मैनेज्ड डेडिकेटेड सर्विस'' में कंपनी आपकी सभी जटिल कंप्यूट जरूरतों की देखभाल के लिए मूल्य वर्धित सेवाओं के साथ समर्पित आधार पर लीज्ड मॉडल पर सर्वर हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर संसाधन मुहैया कराएगी। क्लाउड सेवाएं ग्राहकों की जरूरत के आधार पर स्टोरेज एवं अन्य संबंधित सेवाएं मुहैया कराएगी जिन्हें विभिन्न जरूरतों के मुताबिक किसी भी स्तर तक बढ़ाया जा सकता है।

श्री के अलगेशन, निदेशक, प्रोडक्शन एवं एचआर ने कहा, ''आईटीआई जो अनोखी पेशकश करता है वह एक बहुआयामी, अत्यधिक सुरक्षित एवं मजबूत डेटा सेंटर है जो ग्राहकों के लिए अधिकतम निवेश का परिणाम देता है। डेटा सेंटर के लिए सुरक्षा के कई स्तर बनाए गए हैं जैसे भौतिक सुरक्षा, बायोमीट्रिक सत्यापन, केजिंग और लॉजिकल सुरक्षा जिनमें श्रेणी के लिहाज से सर्वश्रेष्ठ सुरक्षा उपाय शामिल हैं जो आईएसओ 9001, 20000 और 27001 जैसे अंतरराष्ट्रीय मानकों को पूरा करते हैं।''

आईटीआई का बेहतरीन डेटा सेंटर फिलहाल 2,00,000 वर्गफुट से अधिक क्षेत्र में फैला है जहां विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध हैं। इसमें हजारों की संख्या में आईटी बुनियादी ढांचा उपकरणों को सहेजने की क्षमता है और इसे अत्यधिक सुरक्षित एवं स्थाई परिवेश में मूल्य वर्धित सेवाओं की व्यापक श्रृंखला के साथ प्रमुख होस्टिंग सेवाओं की पेशकश करने के लिए डिजाइन किया गया।

डेटा सेंटर किसी भी डिजिटल बुनियादी ढांचे की रीढ़ होते हैं। आईटीआई लिमिटेड अपने ग्राहकों को उनके कारोबारी उद्देश्यों को पूरा करने में मदद करने के लिए नई पीढ़ी के डेटा सेंटर और क्लाउड बुनियादी ढांचा बनाने में इस क्रांति को आगे बढ़ा रही है। नैनी में नया डेटा सेंटर बेंगलुरू में होस्टिंग करने वाले ग्राहकों के लिए एक डिजास्टर रिकवरी साइट के तौर पर काम करेगा और बेंगलुरू में डेटा सेंटर नैनी में होस्टिंग करने वाले लोगों के लिए एक डिजास्टर रिकवरी साइट के तौर पर काम करेगा।

आज ग्राहक डेटा सुरक्षित करने के लिए डेटा स्टोरेज क्षमता में बढ़ोतरी संगठनों के लिए एक जरूरत बन रहा है। इस समय जब एक मजबूत पारितंत्र और उचित बुनियादी ढांचा बनाना कारोबारों के लिए महत्वपूर्ण है आईटीआई लिमिटेड के डेटा सेंटर सभी कारोबारों के लिए उचित स्टोरेज और अबाध कामकाज के लिए नेटवर्किंग सुनिश्चित करेंगे। भारत में डेटा सेंटर क्षेत्र की तेज वृद्धि काफी हद तक क्लाउड कंप्यूटिंग और स्टोरेज स्पेस की जबरदस्त मांग की दिशा में जबरदस्त वृद्धि पर आधारित है। यह सरकार के मेक इन इंडिया, ई–गवर्नेंस और डिजिटल इंडिया दृष्टिकोण को बढ़ावा देने में भी अहम भूमिका निभाएंगे।

आईटीआई लिमिटेड ने हाल ही में 2017–18 में 102 करोड़ रुपये मुनाफा कमाने की घोषणा की। पिछले 16 वर्षों से वित्तीय संकट का सामना कर रही कंपनी की स्थिति में सुधार हुआ और वित्त वर्ष 2017–18 में लाभ घोषित किया। कंपनी अपने ग्राहकों को उनके कारोबार की बढ़ती मांग का समर्थन करने के लिए उनके आईटी कामकाज के प्रबंधन के लिहाज से सुरक्षित एवं विश्वसनीय समाधान मुहैया कराने के प्रति प्रतिबद्ध है। कंपनी ने दूरसंचार विभाग, संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय और भारत सरकार के साथ देश में बनाए जाने वाले दूरसंचार उपकरणों और रक्षा मंत्रालय के इनक्रिप्शन प्रोजेक्ट्स, नेटवर्क फॉर स्पेक्ट्रम (एनएफएस), भारतनेट फेज 2 जैसे राष्ट्रीय महत्व के भारत सरकार द्वारा वित्तीय सहायताप्राप्त परियोजनाओं में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के अवसरों को भुनाने के लिए एक समझौते (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।